ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय स्टेट बैंक की ''स्त्री शक्ति पैकेज योजना'' का अध्ययन

(भोपाल जिले के संदर्भ में)

मार्गदर्शक

डॉ. एस.के. ठाकुर
शा॰ महारानी लक्ष्मी बाई महाविद्यालय, भोपाल
बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (मध्यप्रदेश) भारत
dr.skt21@gmail.com

शोधार्थी

नीलम व्यास
vyasneelam28@gmail.com

सारांश :

उद्यमिता के विकास में बैंकों ने अग्रणी भूमिका निभाई है। जिस प्रकार रक्त के अभाव में मानव शरीर की कल्पना नहीं की जा सकती उसी प्रकार वित्त के अभाव में उद्यम स्थापित नहीं किया जा सकता । उद्योगों के संदर्भ में वित्त को जीवन रूपी रक्त की संज्ञा दी गई है। वित्त उद्योगों की रीढ़ की हड्डी है। बिना वित्त के किसी भी उद्यम को स्थापित नहीं किया जा सकता और इस वित्त की समस्या को भारत में बैंकों द्वारा पूरा किया जाता है। बैंक बेरोजगार युवक–युवतियों को कम ब्याज पर ऋण देकर उद्यम स्थापना में मदद करते हैं।

प्रस्तावना :

- बैंक महिला उद्यमियों को विशेष सहायता देकर उद्यम स्थापना के लिए प्रेरित करते हैं। स्टेट बैंक की स्त्री शक्ति पैकेज योजना महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत हैं। इस योजना के माध्यम से कई महिलाओं ने अपना उद्यम स्थापित कर उद्यमिता के क्षेत्र में सफलता प्राप्त की है। स्त्री शक्ति पैकेज योजना को निम्नलिखित प्रकार से समझा जा सकता है :–

- **शोध परिकल्पना :**

  महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय स्टेट बैंक की ''स्त्री शक्ति पैकेज योजना'' का अध्ययन कर उनकी आर्थिक स्थिति पर प्रभाव का मूल्यांकन करना।

Copyright • 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

- **उद्धेश्य** :

  महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय स्टेट बैंक की ''स्त्री शक्ति पैकेज योजना'' का महिलाओं की आर्थिक स्थिति पर प्रभाव का मूल्यांकन करना।

- **शोध प्रविधि :**

  महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय स्टेट बैंक की ''स्त्री शक्ति पैकेज योजना'' का महिलाओं की आर्थिक स्थिति पर प्रभाव की सविस्तार व्याख्या करने हेतु आवश्यकतानुसार सर्वेक्षण विधि, विवरणात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध प्रविधि का प्रयोग किया गया है ।

➢ **स्त्री शक्ति पैकेज योजना :–** स्त्री शक्ति पैकेज योजना महिलाओं को सशक्त करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक द्वारा शुरू की गई योजना है। यह योजना विशेषकर महिलाओं को वित्तीय सहायता में रियायतें प्रदान करके महिलाओं के बीच उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई है। इस योजना में ऐसे मानदण्ड तय किए गए हैं जिससे इस योजना का फायदा सिर्फ महिलाओं एवं महिलाओं से जुड़े उद्यम को मिल सके। जैसे इस योजना के अंतर्गत वही उद्यम पात्र होंगे जिनमें महिलाओं को स्वामित्व या हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक हो। स्त्री शक्ति पैकेज के अंतर्गत हमें ऋण और कार्यशील पूंजी की सुविधा रियायती मार्जिन एवं ब्याज दरों के साथ उपलब्ध है।

- **पात्रता** :– इस योजना के तहत मुख्य रूप से वे ही उद्यम पात्र माने जायेंगे जो महिला उद्यमियों द्वारा चलाए जा रहे हों। स्त्री शक्ति पैकेज योजना के तहत किसी एक महिला द्वारा या एक से अधिक महिलाओं द्वारा प्रबंधित लघु उद्यम स्वामित्व 51 प्रतिशत से अधिक हो। इस योजना के अंतर्गत पात्र माने जाते हैं।

- **रियायत :–**

  1. इस योजना के तहत अलग–अलग श्रेणियों के आधार पर मार्जिन मनी 5 प्रतिशत तक कम होने का प्रावधान है।
  2. ऋण की रकम रूपये दो लाख से अधिक होने की स्थिति में ब्याज की दर 5 प्रतिशत कम होने का प्रावधान है।

Copyright • 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

3. छोटे सेक्टर की इकाईयों के लिए 5 लाख तक के ऋण पर किसी प्रकार की कोई सिक्योरिटी की आवयकता नहीं होगी।

- **दिया जाने वाला ऋण :–** निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर ऋण दिया जाता है –

1. पेशेवर महिलाएं रूपये 50 हजार से 25 हजार तक का ऋण इस योजना में ले सकती हैं।
2. व्यापारिक उद्यम भी रूपये 50 हजार से 2 लाख तक का ऋण इस योजना के अतर्गत ले सकते हैं।
3. स्मॉल स्केल इण्डस्ट्रीज से जुड़ी महिलाएं भी रूपये 50 हजार से 25 लाख तक ऋण इस योजना के तहत ले सकती हैं।
4. ऐसी महिलाएं जो रिटेल के बिजनेस के लिए ऋण लेना चाहती हैं अर्थात् रिटेल ट्रेडर्स 50 हजार से लेकर रूपये 2 लाख तक का ऋण इस योजना के अंतर्गत ले सकते हैं।

- **स्कीम के तहत कराई जाने वाली गतिविधियां :–** स्त्री शक्ति पैकेज स्कीम एक ऐसी दृष्टिकोण वाली योजना है जिसके माध्यम से सरकार एवं बैंक मानव और भौतिक संसाधन दोनों को आगे बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने के इरादे से प्रयास कर रहे हैं।

इस स्कीम के अंतर्गत कुछ छोटे प्रोजेक्ट निम्नलिखित हैं :–

1. डेयरी फार्मिंग एवं डेयरी से जुड़े अन्य प्रोजेक्ट
2. कम्बलों की मार्केटिंग
3. खाद एवं बीजों की मार्केटिंग
4. कम्पोजिट खाद का उत्पादन एवं बिक्री
5. साबुन एवं डिटर्जेंट का उत्पादन एवं बिक्री का व्यापार

Copyright • 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

6. रेडीमेड गारमेंट का उत्पादन एवं बिक्री

7. अगरबत्ती, पापड़ एवं सांभर का उत्पादन एवं बिक्री

सारणी : 1 भारतीय महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्त्री शक्ति पैकेज योजना के विकास की स्थिति :–

वर्ष	स्वीकृत ऋणों की संख्या	संवितरित राशि (रूपये लाख में)	महिलाओं की संख्या
2011–12	23	19.62	23
2012–13	22	94.17	22
2013–14	13	67.73	13
2014–15	249	913.16	249
2015–16	491	1590.22	491
2016–17	658	1932.47	658
2017–18	14	54.35	14

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि 2011–12 में स्वीकृत ऋणों की संख्या 23 थी एवं 19. 62 लाख रूपये वितरण किया गया । वर्ष 2012–13 में स्वीकृत ऋणों की संख्या 22 एवं 94.17 लाख रूपये का वितरण किया गया । वर्ष 2013–14 में स्वीकृत ऋणों की संख्या 13 एवं 67.73 लाख रूपये का वितरण किया गया । इस योजना में वर्ष 2014–15 में स्वीकृत ऋणों की संख्या में तेजी से वृद्धि होकर यह संख्या 249 तक पहुंच गई एवं 913.16 लाख रूपये का वितरण किया गया । वर्ष 2015–16 में स्वीकृत ऋणों की संख्या 491 एवं 1590.22 लाख रूपये का वितरण किया गया । वर्ष 2016–17 में स्वीकृत ऋणों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई जो कि इस योजना की सबसे बड़ी उपलब्धि थी । इस वर्ष 658 ऋण स्वीकृत हुए एवं 1932.47 लाख रूपये

Copyright • 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

का वितरण किया गया । परन्तु वर्ष 2017–18 में स्वीकृत ऋणों की संख्या तेजी से गिरकर मात्र 14 ही रह गई जो कि अब तक की निम्नतम स्थिति को दर्शाती है । इस वर्ष में केवल 54.35 लाख रूपये का ही वितरण किया गया । उपरोक्त योजना में सर्वाधिक वर्ष 2014–15 में 249 महिलाओं ने, 2015–16 में 491, 2016–17 में 658 महिलाओं ने इस योजना का लाभ लिया ।

- **आकडों का विश्लेषण** :– स्त्री शक्ति पैकेज योजना के क्रियान्वयन के प्रभाव का आकलन हेतु सर्वेक्षण हेतु चयनित भोपाल जिले की 45 महिला हितग्राहियों से एकत्र की गई जानकारियों का विश्लेषण करके योजना के निर्धारित उद्देश्यों एवं उनके परिणामों तक पहुंचने का प्रयास किया गया है । शोध अध्ययन में एकत्रित जानकारियों के विश्लेषण के उपरांत निम्नानुसार परिणाम प्राप्त हुए हैं ।

सारणी : 2 परिवार की समस्त स्त्रोत से वार्षिक आय

वार्षिक आय	संख्या	प्रतिशत
20000 से 100000 तक	24	53.33%
100000 से 200000 तक	14	31.11%
200000 से 300000 तक	05	11.11%
300000 से अधिक	02	04.44%
कुल योग	**45**	**100%**

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि बीस हजार से एक लाख तक की आय कमाने का प्रतिशत 53.33% है अर्थात ऐसे 24 परिवार हैं व एक लाख से दो लाख की आय कमाने का प्रतिशत 31.11% है अर्थात ऐसे 14 परिवार हैं । दो लाख से तीन लाख तक आय कमाने वाले 5 परिवार हैं जिनकी आय का प्रतिशत 11.11% है व 3 लाख से अधिक आय कमाने वाले दो ही परिवार हैं जिनकी आय का प्रतिशत 04.44% है ।

Copyright • 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

सारणी : 3 महिला उद्यमियों की उद्यम से मासिक आय

मासिक आय	संख्या	प्रतिशत
1500 से 10000 रुपये	10	22.22%
10000 से 25000 रुपये	09	20.00%
25000 से 50000 रुपये	09	20.00%
50000 से 75000 रुपये	03	06.67%
75000 से 100000 रुपये	10	22.22%
100000 से 500000 रुपये	04	08.89%
कुल योग	**45**	**100%**

उपरोक्त तालिका भी इस बात की ओर संकेत करती है कि 22.22% महिलाएँ उद्योगों के द्वारा 1500 रूपये से 10000 हजार 22.22% महिलाएँ 75 हजार से 1 लाख रूपये मासिक की मासिक आय अर्जन कर रही हैं । 20.00% की महिलाएँ 10 हजार से 25 हजार रूपये, 20.00% महिलाएँ 50 हजार से 75 हजार, 08.89 % महिलाएँ 1 लाख से 5 लाख रूपये आय अर्जन कर अपने परिवार की आर्थिक सहायता कर रही हैं ।

निष्कर्ष :

अतः हम कह सकते हैं कि भारतीय स्टेट बैंक की ''स्त्री शक्ति पैकेज योजना'' के अन्तर्गत महिलाओं ने विशेष रूचि दिखाई परन्तु सरकार द्वारा अन्य योजनाओं के संचालन के कारण इस योजना में महिलाओं की संख्या में कमी आई है । अतः सर्वेक्षण में पाया गया कि यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर व निचले तबके की महिलाओं के लिए सहायक सिद्ध हुई । इस योजना का लाभ लेने से पहले महिलाओं के परिवार की आय कम थी परंतु योजना ग्रहण करने के बाद उनकी आय बढ़ गई। महिलाओं ने इस योजना का लाभ अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए लिया ।

Copyright • 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

सुझाव :

सरकार को बैंकों में अपनी ऋण लेने संबंधी प्रक्रिया में सुधार कर इस योजना में कुछ उदार नीति को अपनाना चाहिए ताकि अधिक संख्या में महिलाएं इन योजनाओं का लाभ ले सके और देश की अर्थव्यवस्थाा में अपना सहयोग प्रदान कर सके ।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

- https://www.sbi.co.in/web/business/sme/sme-government-schemes/pmmy
- https://www.pnbindia.in/schemes-for-women.html

Copyright • 2020 Authors